कक्षा दसवीं के छात्रों की द्वितीय भाषा हिंदी के शब्दसंपत्ति का निश्चयन और विकसन

डॉ. राउत अनुराधा रामराव
प्र. प्राचार्या,
श्री शारदा भवन शिक्षाशास्त्र महाविद्यालय, नांदेड
Email- anuradharaut15@gmail.com

प्रास्ताविक :

मनुष्य ने पशुओं की तुलना में अपने जीवनमें आनेवाले हर संकट पर विजय पाई हैं। इसका अधिकांश श्रेय भाषा की और ही जाता हैं। क्योंकि भाषा मनोभावों को प्रकट करने का एक साधन हैं। भाषा ही मनुष्य को मिला हुआ सर्वश्रेष्ठ वरदान हैं। भाषा शब्दमय साधन हैं जिससे मनुष्य अपने विचारों को, मनोभावों को तथा अपने पर हुए संस्कारों को स्पष्ट रुपसे व्यक्त कर सकता हैं, लिख सकता हैं।

भाषा के कारण ही मनुष्यने आजतक का प्रशंसनीय विकास का क्रम पुरा किया हैं तथा आज की प्रगति प्राप्त की हैं। मनुष्य भाषा के बलपर ही उन्नत तथा प्रगतिशील जीवन व्यतीत कर रहा हैं। भाषा द्वारा ही ज्ञान भंडार को सुरक्षित रखकर उसकी वृध्दि की हैं। भाषा के सहारे ही संस्कृतिको संरक्षित तथा संजोए रखनेकी जिम्मेदारी को सफलतासे पूर्ण किया हैं। मानवजीवन में भाषा तथा संस्कृति का संबंध अनन्य साधारण दिखाई देता हैं।

बालक जन्मके पश्चात बोलचाल,विचार–विनिमय के लिए केवल भाषा की ही आवश्यकता महसूस करता हैं। यह आवश्यकता अनिवार्य तथा अंततक रहैंगी। भाषा मनुष्य के अंततक निरंतर साथ देनेवाली, जीवन के हर व्यवहार में उपयोगी सिध्द होते हुए दिखाई देती हैं। भाषा के बिना मनुष्य का जीवन गुंगा बन जाएगा। इसलिए मनुष्य जीवन को सफल बनाने के लिए भाषापर प्रभुत्व रखना ही होगा। भाषा के बिना मनुष्य जीवन सहजतापूर्ण व्यतीत नहीं हो सकता। मातृभाषा तथा अन्य भाषाओं का आधार ही शिक्षा हैं। भाषासे सफलतापूर्व ज्ञान पाने का प्रयास मानव अपने जीवन में करता आया हैं।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए कीसी भी राज्य में मातृभाषाको शिक्षा का मूलाधार माना गया हैं। साथ ही सफलतापूर्वक जीवन जिने के लिए तथा ज्ञान प्राप्ति के लिए राष्ट्रभाषा की जानकारी होना अनिवार्य हैं। हिंदी का ज्ञान प्राप्त करना केवल राष्ट्रभाषा का ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित न होकर इसके अंतर्गत–भविष्य निर्माण, पर्यटन, शिक्षा, व्यावसायिकता,विचार–विनिमय, मनोभावों को प्रकट करने के लिए तथा संपक स्थापित करना आदि व्यापक उद्देश सफल होते हैं। राष्ट्रभाषा का ज्ञान ना हो तो इन सभी में कठिनाईयॉ आ सकती हैं।

इसी आधारपर **कक्षा दसवीं के छात्रों की द्वितीय भाषा हिंदी के शब्दसंपत्ति का निश्चयन और विकसन** इस विषय पर कार्य किया हैं।

संशोधन के उद्देश :

भाषा का अध्ययन–अध्यापन के लिए विशेष आयुके तथा कक्षा के छात्रों की शब्दसंपत्ति का विशेष महत्त्व हैं। शिक्षा में होनेवाले छात्रों की प्रगति को भाषाने परिपूर्ण कीया हैं। इतना ही नहीं भाषा व्यक्ति जीवन का आधार हैं। यह देखते हुए प्रस्तुत संशोधन में निम्नलिखित उद्देश रखे गए हैं।

१) कक्षा दसवीं के छात्रों की द्वितीय भाषा हिंदी की शब्दसंपत्ति निश्चित करना।

२) कक्षा दसवीं कें छात्रों की परिचित तथा आविष्कार शब्दसंपत्ति निश्चित करना।

३) शब्दों की जातिनुसार शब्द संपत्ति का वर्गीकरन करना।

४) शब्दों की भाषाप्रकारानुसार वर्गीकरन करना।

५) शब्दसमृध्दि के लिए उपाययोजना बताना

संशोधन के ग्राह्यतत्व :

१) कक्षा दसवीं के छात्रों में शब्दसंपत्ति ३५०० इतनी हो सकती हैं।

२) कक्षा दसवीं के शब्दसंपत्ति में शब्दों की जाति नुसार तथा भाषा के विविध प्रकारानुसार शब्द होंगे।

३) अत्यल्प शब्दसंपत्ति विभिन्न उपाय योजनाद्वारा विकसित कर सकते हैं।

संशोधन की व्याप्ति तथा मर्यादा :

❖ **व्याप्ति :**

१. प्रस्तुत संशोधन द्वारा प्राप्त निष्कर्ष कक्षा दसवीं के द्वितीय भाषा हिंदी अध्ययनार्थियों के संदर्भ में उपयुक्त हैं।
२. प्रस्तुत संशोधन की रूपावली अन्य भाषाओं के संशोधन के लिए मार्गदर्शक हैं।

❖ **मर्यादा :**

१. प्रस्तुत संशोधन द्वितीय भाषा हिंदी इस विषयपर हैं।
२. प्रस्तुत संशोधन कक्षा दसवीं कें छात्रों से संबंधित हैं।
३. प्रस्तुत संशोधन के लिए निर्धारित न्यादर्श मराठी माध्यम की पाठशालाओं से चयित हैं।
४. प्रस्तुत संशोधन के लिए न्यादर्श नांदेड—वाघाला महानगरपालिका के क्षेत्र की पाठ्शालाओं से चयित हैं।

संशोधन कार्यवाही:

१) प्रस्तुत संशोधन के लिए कक्षा दसवीं के पाठ्यपुस्तक की शब्दसंपत्ति १३३४३ को प्राप्त कीया और कक्षा दसवीं के शब्दसंपत्ति में से कक्षा ५वी से ९वी तक की शब्दसंपत्ति को हटाकर प्राप्त १०४३ शब्दसंपत्ति का वर्गीकरन कीया। जो परिचित शब्दसंपत्ति तथा आविष्कार शब्द संपत्ति के रुप में प्राप्त हुआ।

२) परिचित शब्द संपत्ति : ७१३—६ कसौटियॉ

३) आविष्कार शब्दसंपत्ति : ३३०—३ कसौटीयॉ

इस शब्दसंपत्तिपर कुल ९ कसौटियॉ बनाकर छात्रों से कसौटियों को हल कर के लिया।

४) कसौटियों को जॉचकर जो संकलित जानकारी प्राप्त हुई उसका अर्थ निर्वचन करके उसका विश्लेषण कीया।

संशोधन के साधन :

प्रस्तुत संशोधन के लिए निम्नलिखित सांधनों का उपयोग कीया।

हिंदी भाषा का पाठ्यपुस्तक:

हिंदी भाषा — "कक्षा दसवीं द्वितीय भाषा "— परिचित शब्दसंपत्ति निकालने के लिए कक्षा दसवीं के द्वितीय भाषा हिंदी के पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कीया। प्राप्त हुए शब्दों को वारंवारिता के साथ वर्णानुक्रम से सूची बनाई गई।

कसौटी :

परिचित शब्दसंपत्ति निश्चित करने के लिए पाठ्यपुस्तक से मिली शब्दों की कसौटियॉ बनाई । यह कसौटी अध्ययन नमुना में समाविष्ट कीए पाठशालाओं के छात्रोंको दी । कसौटी मे विविध प्रकार के प्रश्न प्रकारों का समावेश कीया। कुल ९ कसौटियों बनाई।

शालेय स्तर के परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिका :

अध्ययननमुना के पाठशालाओं से शालेय परीक्षा में द्वितीय भाषा हिंदी के छात्रों की १५० उत्तरपत्रिका को प्राप्त किया। इनका विश्लेषण करके प्राप्त शब्द सूचीको वारंवारिता के साथ वर्णानुक्रम तैयार कीया।

निबंध — कक्षा दसवीं के ५०० छात्रों से एक विषय पर निबंध लिखकर लिया। जिसके लिए ३५ मी. समय दिया। इस निबंध का विश्लेषण कर प्राप्त हुए शब्दोंकी वारंवारिता के वर्णानुक्रम से सूची तैयार कीया।

संकलित जानकारी का विष्लेशण तथा अर्थनिर्वचन

कक्षा	कसौटीके लिए प्राप्त परिचित शब्दसंपत्ति	कसौटीके लिए प्राप्त आविष्कार शब्दसंपत्ति	कुल शब्द संख्या
१० वी	७१३	३३०	१०४३

परिचित शब्दसंपत्ति :

परिचित शब्दसपंत्ती का अर्थ किसी व्यक्ति को शब्द समझकर तथा पढकर जिन शब्दों का अर्थ समझ मे आता हैं वह शब्द समुह। परिचित शब्दसंपत्ति मे हर एक छात्र ने किसी शब्द एक बार पहचाना तथा उसका उपयोग किया इसे आधार मानकर पहचाने या उपयोग मे लाए शब्दों का विश्लेषण किया।

प्रस्तुत संशोधन के अध्ययन नमुना मे ५०० छात्रो के परिचित तथा आविष्कार शब्दसंपत्ति निश्चित करने के लिए, कुल ९ कसौटियोकों दिया। यहॉ परिचित शब्दसंपत्ति को निश्चित करने के लिए, कुल शब्दसंपत्ति में से (१०४३) छात्रों ने अपनी उत्तरपुस्तिका लेखन में उपयोग कीए शब्दो को निकालकर (३३०) प्राप्त शब्दों को परिचित शब्द संपत्ति कहा। जो ७१३ हैं।

परिचित शब्दसंपत्ति निश्चित करने के लिए ६ कसौटियों दी, जिसका मूल्यांकन करके परिचित शब्दों की सूची बनाई गई। जिसकी सूची वर्णमालानुसार बनाकर इन शब्दों की वारंवारिता, शब्दप्रकार तथा भाषा प्रकार को निश्चित करने के लिए निम्नलिखित शब्दकोश का उपयोग किया हैं।

सारणी क्र ं— १

वारंवारिता के अनुसार परिचित शब्दसंपत्ति (०—३७५से अधिक)

अ.क्र	वारंवारिता	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात%
१.	१ से २५०	५७१	८०.४०
२.	२५१ से ३७४	३६	५.०४
३.	३७५ से अधिक	३९	५.४६
४.	शून्य वारंवारिता	६७	९.३९
कुल शब्दसंख्या		७१३	१००

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता हैं की अध्ययन नमुना के ५०० छाात्रो मे से १ से २५० तक छाात्रो ने ५७१ शब्द पहचाने हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ८०.०४ हैं। २५१ से ३७४ तक छात्रो ने ३६ शब्द पहचाने हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ५.०४ हैं। तथा ३७५ से अधिक छात्रो ने ३९ शब्द पहचाने हैं। जिनका प्रतिशत अनुपात ५.४६ हैं। और कीसी भी छात्र ने नहीं पहचाने हुए शब्दो की संख्या ६७ होते हुए उसका प्रतिशत अनुपात ९.३९ हैं।

सारणी क्रं. २

शब्द प्रकार के अनुसार परिचित शब्दसंपत्ति (कुल ७१३ शब्दसंख्या)

अ.कु.	शब्दप्रकार	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात %
१.	संज्ञा	४६३	६४.९३
२.	विशेषण	१८८	२६.३६
३.	क्रिया	४३	६.०३
४.	अव्यय	१९	२.६६
	कुल शब्दसंख्या	७१३	१००

उपर्युक्त सारणी मे ऐसा दिखाई देता हैं की अध्ययन नमुना के कुल ५०० छात्रों में से शब्दप्रकार के अनुसार पहचाने शब्दो मे सर्वाधिक शब्दसंख्या संज्ञा की हैं वह ४६३ होकर प्रतिशत अनुपात मे ६४.९३ हैं। उसके पश्चात १८८ शब्दसंख्या विशेषण की हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात २६.३६ हैं। ४३ शब्दसंख्या क्रिया इस शब्दप्रकार में होकर जिसका प्रतिशत अनुपात ६.०३ तथा सबसे कम १९ शब्दसंख्या अव्यय इस शब्दप्रकार मे हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात २.६६ हैं।

सारणी क्रं. ३

भाषा प्रकार के अनुसार शब्दसंपत्ति.(कुल ७१३ शब्दसंख्या)

अ.क्र	शब्दप्रकार	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात %
१.	संस्कृत	३१२	४३.७५
२.	हिंदी	२०७	२९.०३
३.	अंग्रेजी	७६	१०.६५
४.	फारसी	५१	०७.१५
५.	अरबी	४०	०५.६१
६.	मराठी	०४	००.५६
७.	तुर्की	०१४	००.१४
८.	पाली	०१	००.१४
९.	अरबी—फारसी	०६	००.८४
१०.	हिंदी—संस्कृत	०८	०१.१२
११.	अरबी—हिंदी	०२	००.२८
१२.	संस्कृत—फारसी	०१	००.१४
१३.	संस्कृत—अंग्रेजी	०१	००.१४
१४.	अंग्रेजी —मराठी	०१	००.१४
१५.	अंग्रेजी —अरबी	०१	००.१४
१६.	तुर्की—हिंदी	०१	००.१४

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट दिखाई देता हैं की, छात्रों ने पहचाने ७१३ शब्दों का भाषा प्रकार के अुनसार विभाजन किया। इन के अनुसार शब्द संस्कृत,अंग्रेजी,हिंदी,फारसी, अरबी, मराठी, तुर्की, पाली आदि भाषा से आए हैं। इन सभी भाषाओं में कुछ ऐसे शब्द भी हैं जिन्हैं छात्रों ने पहचाना नहीं। इन शब्दो को हर भाषा के अनुसार कोष्टक में दर्शाया हैं।

भाषा प्रकार के अनुसार विभाजन में सर्वाधिक संस्कृत भाषा के ३१२ शब्द हैं जिसका प्रतिशत अनुपात ४३.७५ हैं। उसके पश्चात हिंदी भाषा के २०७ जिसका प्रतिशत अनुपात २९.०३ हैं सबसे कम शब्दसंख्या तुर्की तथा पाली भाषा की हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ०.१४ हैं। साथ ही मिश्र भाषा प्रकारों में सबसे अधिक अनुपात हिंदी—संस्कृत ०८ शब्दो का हैं जिसका प्रतिशत अनुपात १.१२ हैं। सबसे कम शब्द क्रमश: संस्कृत—फारसी, संस्कृत—अंग्रेजी, अंग्रेजी—फारसी, अंग्रेजी—आरबी, तुर्की—हिंदी आदि सभी मिश्रभाषा प्रकारो में केवल ०१ शब्द छात्रों ने पहचाना, जिसका प्रतिशत अनुपात ०.१४ हैं।

आविष्कार शब्दसंपत्ति याने किसी व्यक्तिने लिखित अथवा मौखिक भाषा का उपयोग करते समय जो शब्द उपयोग मे लाता हैं वह शब्द समूह, आविष्कार शब्दसंपत्ति निश्चित करने के लिए दी गयी कसौटियों मे हर एक छात्र ने एक शब्द एक बार पहचाना ऐसा समझकर उन शब्दो का विश्लेषण किया हैं। अध्ययन नमुना मे ५०० छात्र थे। इन ५०० छात्रों ने कक्षा १० वीं की परीक्षा के उत्तर—पुस्तिका में लिखित रूप मे जिन शब्दों को उपयोग में लाया उन सभी शब्दो को आविष्कार शब्दसंपत्ति में समाविष्ट किया हैं।

आविष्कार शब्दसंपत्ति के कुल ३३० शब्दों पर तीन कसौटियॉ बनाकर दी गयी। इन कसोटियों का मूल्यांकन करके पहचाने गए शब्दो की सूचीको तैयार किया। इन शब्दो की वर्णमाला के अनुसार रचना की गयी तथा इन शब्दों के विश्लेषण में वारंवारिता के अनुसार, शब्दप्रकार के अनुसार, भाषा प्रकार के कुल ५०० छात्रों में से कीतने छात्रो ने वह शब्द सही पहचाना निश्चित रूप से संकलित करने के लिए परिचित शब्दसंपत्ति में दिए शब्दकोश सूची को उपयोग करने के लिए परिचित शब्दसंपत्ति में दिए शब्दकोश सूची को उपयोग मे लाया. कसौटीसे प्राप्त ३३० शब्दों का विश्लेषण तीन प्रकारो मे किया है

सारणी क्रं. ४

वारंवारिता के अनुसार आविष्कार शब्दसंपत्ति और प्रतिशत अनुपात

अ.क्रं.	वांरवारीता (वर्गांतर)	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात%
१.	१ वांरवारिता	०४	१.२१
२.	२ वांरवारिता	०१	०.३०
३.	३ वांरवारिता	०४	१.२१
४.	४ वांरवारिता	निरंक	निरंक
५.	५ वांरवारिता	०२	०.६०
६.	६ से १० वांरवारिता	१२	३.६३
७.	११ से २० वांरवारिता	४३	१३.०३
८.	२१ से ४० वांरवारिता	४४	१३.३३
९.	४१ से अधिक	२२०	६६.६६
१०.	(००) शून्य वारंवारिता	निरंक	निरंक
	कुल शब्दसंख्या	३३०	१००

उपर्यूक्त सारणी से यह स्पष्ट होता हैं की, सबसे अधिक २२० शब्द ४१ से अधिक वांरवारिता से दिखाई देते हैं जिसका प्रतिशत अनुपात ६६.६६ हैं। उसके पश्चात ४४ शब्द २१ से ४० वांरवारिता से दिखाई देते हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात १३.३३ हैं। उसके करीब ही ४३ शब्द ११ से २० वांरवारिता मे दिखाई देते हैं। सबसे कम शब्द ०१,०२,०४ यह क्रमशः २,५,०१ वांरवारिता मे दिखाई देते हैं। प्रस्तुत सारणी मे वांरवारिता शून्य(००) तथा (०४) निरंक हैं।

सारणी क्र. ५

शब्द प्रकार के अनुसार आविष्कार शब्दसंपत्ति (कुल शब्द—३३०)

अ.क्रं.	शब्दप्रकार	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात %
१.	संज्ञा	२११	६३.९३
२.	विशेषण	९८	२९.६९
३.	क्रिया	०८	२.४२
४.	अव्यय	१३	३.९३
	कुल शब्दसंख्या	३३०	१००

उपर्युक्त सारणी से यह स्पष्ट होता हैं कि अध्ययन नमुना के ५०० छात्रों ने पहचाने ३३० शब्दों के शब्दप्रकार के अनुसार विभाजन करने पर इसके अंतर्गत संज्ञा इस शब्दप्रकार मे सबसे अधिक शब्द २११ छात्रों ने पहचाने हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ६३.९३ हैं। विशेषण शब्दप्रकार मे ९८ शब्द छात्रों ने पहचाने हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात २९.६९ हैं। ०८ शब्द क्रिया इस शब्दप्रकार मे आए हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात २.४२ हैं। और वो सबसे कम हैं। अव्यय इस शब्द प्रकार मे १३ शब्द छात्रों ने पहचाने हैं। इसका प्रतिशत अनुपात ३.९३ हैं

सारणी क्रं. ६

भाषा प्रकार के अनुसार आविष्कार शब्दसंपत्ति (कुल ३३०शब्द)

अ.क्र.	शब्दप्रकार	शब्दसंख्या	प्रतिशत अनुपात %
१.	संस्कृत	१५४	४६.६६
२.	हिंदी	८६	२६.०६
३.	अंग्रेजी	३३	१०.००
४.	अरबी	२१	०६.३६
५.	फारसी	२६	०७.८७
६.	मराठी	०९	०२.७२
७.	अरबी—फारसी	०१	००.३०
८.	कुल शब्दसंख्या	३३०	१००

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता हैं की, कुल ५०० छात्रों में से पहचाने ३३० शब्दों का भाषा प्रकार में विभाजन किया इन शब्दों में सब से अधिक १५९ शब्द संस्कृत भाषा के हैं जिसका प्रतिशत अनुपात ४६.६६ हैं। इसके पश्चात ८६ शब्द हिंदी भाषा के हैं जिसका प्रतिशत अनुपात २६.०६ हैं। सबसे कम मराठी भाषा के ०९ शब्द हैं जिसका प्रतिशत अनुपात ०२.७२ हैं। इस प्रकार में एक शब्द अरबी—फारसी भाषा का आया हैं जिसका अनुपात ००.३० हैं।

निष्कर्ष :

१. कक्षा दसवीं के द्वितीय भाषा हिंदी की पाठ्पुस्तक में उपयुक्त वारंवारिता के अनुसार शब्द संपत्ति १३३४३ हैं।

२. कक्षा दसवीं के द्वितीय भाषा हिंदी की प्रमुख शब्दसंपत्ति २८७३ इतनी हैं।

३. कक्षा दसवीं के २८७३ इस प्रमुख शब्दसंपत्ति मेंसे कक्षा पाचवी से नववी तक की शब्दसंपत्ति को निकालकर १०४३ शब्दसंपत्ति प्राप्त हुई ।

४. कक्षा दसवीं के १०४३ शब्दसंपत्ति का वर्गीकरन करके आविष्कार शब्दसंपत्ति ३३० तथा परिचित शब्दसंपत्ति ७१३ प्राप्त हुई।

५. कक्षा दसवीं के पाठ्य पुस्तकसे प्राप्त शब्दसंपत्ति की भाषा प्रकार के वर्गीकरन में सबसे अधिक शब्द ४६५ हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ४४.५८ हैं। तथा सबसे कम भाषा में तुर्की तथा पाली की शब्द संख्या ०१ हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ०.०९ हैं ।

६. कंक्षा दसवीं के पाठ्यपुस्तक से प्राप्त शब्दसंपत्ति का शब्द प्रकार के वर्गीकरन में सबसे अधिक संज्ञा प्रकार में ६७४ शब्द हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ६४.६२ हैं। तथा सबसे कम अव्यय १५ शब्द हैं । जिसका प्रतिशत अनुपात ०१. ४३ हैं ।

७. आविष्कार शब्द संपत्तिमे भाषा प्रकार में सबसे अधिक संस्कृत भाषा के १५२ शब्द आए हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ४६.०६ हैं। तथा सबसे कम मराठी भाषा के ०९ शब्द आऐ हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ०२.७२ हैं।

८. आविष्कार शब्दसंपत्ति में शब्दप्रकार में सबसे अधिक संज्ञा मे २११शब्द संपत्ति हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ६३.९३ हैं। तथा सबसे कम अव्यय की ०६ शब्दसंपत्ति हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ०१.८१ हैं।

९. परिचित शब्द संपत्ति मे भाषा प्रकार के अनुसार सबसे अधिक ३१२ संस्कृत भाषा से आए हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ४३.७५ हैं। सबसे कम पाली और तुर्की भाषा मे एक शब्द आया हैं। जिसका प्रतिशत अनुपात ०.१४ हैं ।

१०. परिचित शब्द संपत्ति मे शब्द प्रकार के अनुसार सबसे अधिक शब्द ४६३ संज्ञाओंमे आए हैं। जिसक प्रतिशत अनुपात ६४.९३ हैं। तथा सबसे कम ०९ शब्द अव्यय मे आए हैं जिसका प्रतिशत अनुपात ०१.२६ हैं।

११. दोनों प्रकार के शब्दसंपत्ति में संस्कृत भाषा के शब्द सर्वाधिक आए हैं। संस्कृत यह हिंदी भाषा की नींव होने के कारण यह शब्द सर्वाधिक होना स्वाभाविक हैं। परिचित शब्दसंपत्ति में ३१२(४३.७५%) संस्कृत के शब्द तथा आविष्कार शब्द संपत्ति में १५४(४६.६६) संस्कृत के शब्द हैं। इतने अधिक पैमाने पर हिंदी शब्द आए हैं। तब यह भाषा कठिन हैं यह समझना गलत होगा। क्योंकि इस भाषा के ज्ञान से छात्रों की शब्द संपत्ति अधिक समृध्द होगी।

१२ दोनो भी प्रकार की शब्द संपत्ति में अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं के शब्द भी आए हैं। ये सभी शब्द हिंदी भाषा में (रूढ) पारंपारिक हैं यह सर्वपरिचित हैं।

१३ भाषा के अव्यय इस शब्द प्रकार की संख्या सबसे कम हैं। अव्यव इस शब्द प्रकार में अन्य शब्द प्रकारों के शब्द अधिक होने के कारण अव्यय के शब्द सबसे कम हैं।

१४ प्रचलित पाठयपुस्तक में से कुल १०४३ शब्दसंपत्ति से यह स्पष्ट होता हैं की पाठयपुस्तककी कुल शब्दसंख्या छात्रों में भाषिक क्षमता विकसित नहीं कर सकती इसके संदर्भ में शब्दसंख्या बढाना आवश्यक हैं।

संदर्भ :

चौधरी,तेजपाल. (२००२).*भाषा और भाषा विज्ञान.* कानपूर: विकास प्रकाशन.

तरुण,हरिवंश. (१९९५).*मानक हिंदी व्याकरण और रचना.* नई दिल्ली: शारदा प्रकाशन.

कक्षा दसवीं द्वितीय भाषा हिंदी पाठ्पुस्तक (लोकभारती) महाराष्टÅ राज्य पाठयपुस्तक निर्मिती मंडळ, पुणे.

कक्षा नववीं द्वितीय भाषा हिंदी पाठ्पुस्तक (लोकभारती) महाराष्टÅ राज्य पाठयपुस्तक निर्मिती मंडळ, पुणे.